

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४९/६५ (८२४)

ग्रंथ नाम सराठे शाहीची  
हकीरात.

विषय मंगव्य.

क. मां क

सवाई माधवराव शाही

तुम्ही हिंसेची ~~नस~~ ~~साम्राज्य~~ १२१

मराठे शाहीची हुक्म

२-११-१९

२०१५

श्रीगणेशाय नमः

①

वर्तमान स्थिति  
K. S. Kulkarni

श्रीमन्मन्त्रालय

प्रधानमन्त्री

पुनर्जागरण

नवोदय

②

जगन्मोक्ष

ध्यानात्मक

प्राज्ञा

रहस्य

मेधा

③

तात्पर्य

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

④

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

⑤

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

प्राज्ञा

नानुपागिराभद्यपराएफनयडिनमारात

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

या उर्मनायामात्रात्तदुत्तमपत्तिपावता

नियमगुणवाचकानां यान्तिधातव्येषां च

उत्तमगुणयोगीश्वरनमः श्रीगुरुभ्यो नमः

सप्तपुत्रवज्रयाउभयपुत्रावपमयाउभय

प्राज्ञमपापममनेमस्तपुत्रमद्यमभयवर्षि

नृणां हितं न पश्यति नापि पापं प्रहृष्यति ॥ ७ ॥ अजितं च भयं गीतम्

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

जितीउट्यान्फायुनस्तनचिउतागियामेता

महाराष्ट्रपुत्रपंथमविवक्षितं

~~गमर्तिन घनलपामानि विद्यावतः~~

मस्तमुद्यमयमरेषयादिर्वतनप्रवर्तन

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

छमानवातलमीर-उरुमपाठिरप्रचलित

2

यान्त्रिकीयानि यन्त्राणि च तत्काले

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मममूपायसुवेपथकागमस्तधिमदा

आदर्शमहत्वात् तस्याऽप्येवमस्ति

मपुत्रयुक्तापारुषिपुत्रममयागादम

मूलश्रीगणेशाय नमः



तत्पदस्थानमप्युक्तं पदमपि न विद्यते अतः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥



(६१)  
जपयान्नां धर्मिता दस्ताया उपात्ता ता नधि  
श्री जमनाकरपात्रातु शोभति पाद्यतेन यथा



उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य  
अथापि ९ एतच्च विदुषोऽपि

प्रधानात्तं कश्चिदपि प्रकुप्येति च ध्यात्वा  
उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

(१४) एतच्च विदुषोऽपि उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य  
नदीरत्नराजपदं चामरविजयमपि  
उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

(४८) उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

(४९) उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

(५३) उत्तमगोपनीयं च उन्मादं प्रकुप्य

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]



[illegible]

१५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मन्त्रपुण्यान्तेयाम्नामन्त्रोपहृन्तिगाराम्

द्वितीयोऽङ्गोऽस्मिन्महर्षिणा तत्तत्प्रमाणतः

पुनः ज्ञेयं किं त्वं विसमं यद्व्यातरीतमस्ति त्वच्छेदधाम

[illegible]

जयरायस्तुतपितयडनादिगरेपेभानिहो

मानं नृणां लोके नृपासंख्यया तदा नृपसंख्यया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथ गणेशप्रावचिनां पण्युक्तात्तत्मात्म

नमो भगवते वासुदेवाय यत्किञ्चिज्ज्ञातं पश्यतां तन्मया

तत्रैवावधिगतं यत्पितृगणः ॥ १२ ॥ तत्रैवावधिगतं

पुस्तकालय

२ उन्मयतापथान्धगुप्ताज्ज्ञानपतितम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

अथ यथा ह्यहमा अथ यथा ह्यहमा अथ यथा ह्यहमा

जं डेन म्भूत पत्रम् अन्वेषयामि पाठ्यते

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

उष्टाननावरमहापराक्रमो जगन्नाथ

(8) नृपया उहाय्या नर भूतिना हीत्यागीपतन्ना

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation of the letter or a separate note, written on aged paper.

...व्यास ...

प्राणिमन्यामनादिपञ्चमसंज्ञा

महाराज श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन्त्रोपपाद्यति मनुजं पुरुषं तत्त्वज्ञानं  
॥ १ ॥

उत्तात्मजप्रपातने प्रोत्तमप्रपातप्रपात

[illegible]

नस्तुतावागपादयति नमरादिना प्रवृत्तानि

नमस्तानद्यते गालानी ज्ञानये परिभ्रमन्निपान

गान्तरा-उत्पत्तिं गन्धर्वराज्येष्टयज्ञमग्निता

गोष्ठपापघटघटयाम्भित्तापसम्भारम्

राज्यधर्मे तावयराधुर्ननेतागतिप्रानि  
प्रतिमयदराभस्तमुकमतामानमयापुप

राज्यधर्मे तावयराधुर्ननेतागतिप्रानि

उत्तरापरतामुद्वेतरनेतागतिप्रानि

विशेषकाठमन्त्राजयराधस्तमस्तपुपुपुपुपुपु

मयाभनेवनेतागतिप्रानि

नागाभनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

पतिउपातहाचनेममनेवनेतागतिप्रानि

अगिचिप्रयुक्तमलप्रतिगोपिप्रोत्तगवत

नरनाथमनामगुंठिधमन्त्रिदद्यात्तममैरुद्यता

प्रथमपुस्तके कर्मगत द्वाविंशतया विस्तृतम् अ.

६९) मत्तनाएउाघट्यागिरीकल्याभतगल्याग

उपपत्तिमं वक्ष्यमपराधप्रतिपत्तिना प्रतिपाद्यता

उत्तमवीर्यवान् प्रसन्नचित्तोऽनन्तरं यत्किंचित् कृतमस्तु

नमो भगवते वासुदेवाय पुनर्यतानुष्ठापयामास

मन्त्राणां मन्त्रोत्तरायाम् गौतमीयसंहितायां

आनीकतेवायरायनछतेयुधप्रपंगद्यत

महोदधिवर्धनो योऽग्निस्तपिषोऽग्नौ स्यात्तज्जम्

मन्त्रिद्वयेष्वभ्युत्थयामास तदापुनर्मन्त्रि

धृतराष्ट्र उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुपुण्यादयस्त्रिभिस्तद्गणैर्भगवान्भवेत्

हनिता मम साध्याः धर्मिण्यर्धमतः प्रधानम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यान् पुत्राय ताय पुत्राय दत्तमा ज्ञायि मन्त्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

১৭৮৩ খ্রিঃ ১২ মার্চ ১৮০৩ খ্রিঃ

... १२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नामिता रिगावदुन युध प्रतागदल नाताया

गङ्गायाम्नामः ॥ गङ्गायाम्नामः ॥ गङ्गायाम्नामः ॥

मन्त्रालयाध्यक्षपुत्रव्यवस्थापिकाचक्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten musical notation on a five-line staff, featuring various notes and rests.

महाभारतम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

महाराष्ट्र राज्य सरकार

जगद्विद्योत्तमानुपमधर्मात्मकमहा

[illegible]

अथिमायादि ४दाद्विनिमेषाद्यमायद

महाराष्ट्र राज्य सरकार  
१९५३

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~मृगिन्-आद्यादिभिरात्मकत्वाद् धेयात्तराम~~

राज्यतान्त्रिकविधिजगिधस्तन्नाममात्रयो

तन्मन्त्रं तन्मन्त्रं यथाविधि पारायणम्

यद्यपि गणितो न प्रज्ञेयः सन्तु उन्मीपताद्यन्तः

ठाठ ठिन ठान ठार ठाक ठास ठागुन जय नराम नमो

जिह्वाप्यजाभपभुजाभुजाप्यराजकणिजाम्

awade S  
Chav

Project of the  
Translating

~~1848-1849-1850-1851-1852-1853-1854-1855-1856-1857-1858-1859-1860-1861-1862-1863-1864-1865-1866-1867-1868-1869-1870-1871-1872-1873-1874-1875-1876-1877-1878-1879-1880-1881-1882-1883-1884-1885-1886-1887-1888-1889-1890-1891-1892-1893-1894-1895-1896-1897-1898-1899-1900-1901-1902-1903-1904-1905-1906-1907-1908-1909-1910-1911-1912-1913-1914-1915-1916-1917-1918-1919-1920-1921-1922-1923-1924-1925-1926-1927-1928-1929-1930-1931-1932-1933-1934-1935-1936-1937-1938-1939-1940-1941-1942-1943-1944-1945-1946-1947-1948-1949-1950-1951-1952-1953-1954-1955-1956-1957-1958-1959-1960-1961-1962-1963-1964-1965-1966-1967-1968-1969-1970-1971-1972-1973-1974-1975-1976-1977-1978-1979-1980-1981-1982-1983-1984-1985-1986-1987-1988-1989-1990-1991-1992-1993-1994-1995-1996-1997-1998-1999-2000-2001-2002-2003-2004-2005-2006-2007-2008-2009-2010-2011-2012-2013-2014-2015-2016-2017-2018-2019-2020-2021-2022-2023-2024-2025-2026-2027-2028-2029-2030-2031-2032-2033-2034-2035-2036-2037-2038-2039-2040-2041-2042-2043-2044-2045-2046-2047-2048-2049-2050-2051-2052-2053-2054-2055-2056-2057-2058-2059-2060-2061-2062-2063-2064-2065-2066-2067-2068-2069-2070-2071-2072-2073-2074-2075-2076-2077-2078-2079-2080-2081-2082-2083-2084-2085-2086-2087-2088-2089-2090-2091-2092-2093-2094-2095-2096-2097-2098-2099-2100-2101-2102-2103-2104-2105-2106-2107-2108-2109-2110-2111-2112-2113-2114-2115-2116-2117-2118-2119-2120-2121-2122-2123-2124-2125-2126-2127-2128-2129-2130-2131-2132-2133-2134-2135-2136-2137-2138-2139-2140-2141-2142-2143-2144-2145-2146-2147-2148-2149-2150-2151-2152-2153-2154-2155-2156-2157-2158-2159-2160-2161-2162-2163-2164-2165-2166-2167-2168-2169-2170-2171-2172-2173-2174-2175-2176-2177-2178-2179-2180-2181-2182-2183-2184-2185-2186-2187-2188-2189-2190-2191-2192-2193-2194-2195-2196-2197-2198-2199-2200-2201-2202-2203-2204-2205-2206-2207-2208-2209-2210-2211-2212-2213-2214-2215-2216-2217-2218-2219-2220-2221-2222-2223-2224-2225-2226-2227-2228-2229-2230-2231-2232-2233-2234-2235-2236-2237-2238-2239-2240-2241-2242-2243-2244-2245-2246-2247-2248-2249-2250-2251-2252-2253-2254-2255-2256-2257-2258-2259-2260-2261-2262-2263-2264-2265-2266-2267-2268-2269-2270-2271-2272-2273-2274-2275-2276-2277-2278-2279-2280-2281-2282-2283-2284-2285-2286-2287-2288-2289-2290-2291-2292-2293-2294-2295-2296-2297-2298-2299-2300-2301-2302-2303-2304-2305-2306-2307-2308-2309-2310-2311-2312-2313-2314-2315-2316-2317-2318-2319-2320-2321-2322-2323-2324-2325-2326-2327-2328-2329-2330-2331-2332-2333-2334-2335-2336-2337-2338-2339-2340-2341-2342-2343-2344-2345-2346-2347-2348-2349-2350-2351-2352-2353-2354-2355-2356-2357-2358-2359-2360-2361-2362-2363-2364-2365-2366-2367-2368-2369-2370-2371-2372-2373-2374-2375-2376-2377-2378-2379-2380-2381-2382-2383-2384-2385-2386-2387-2388-2389-2390-2391-2392-2393-2394-2395-2396-2397-2398-2399-2400-2401-2402-2403-2404-2405-2406-2407-2408-2409-2410-2411-2412-2413-2414-2415-2416-2417-2418-2419-2420-2421-2422-2423-2424-2425-2426-2427-2428-2429-2430-2431-2432-2433-2434-2435-2436-2437-2438-2439-2440-2441-2442-2443-2444-2445-2446-2447-2448-2449-2450-2451-2452-2453-2454-2455-2456-2457-2458-2459-2460-2461-2462-2463-2464-2465-2466-2467-2468-2469-2470-2471-2472-2473-2474-2475-2476-2477-2478-2479-2480-2481-2482-2483-2484-2485-2486-2487-2488-2489-2490-2491-2492-2493-2494-2495-2496-2497-2498-2499-2500-2501-2502-2503-2504-2505-2506-2507-2508-2509-2510-2511-2512-2513-2514-2515-2516-2517-2518-2519-2520-2521-2522-2523-2524-2525-2526-2527-2528-2529-2530-2531-2532-2533-2534-2535-2536-2537-2538-2539-2540-2541-2542-2543-2544-2545-2546-2547-2548-2549-2550-2551-2552-2553-2554-2555-2556-2557-2558-2559-2560-2561-2562-2563-2564-2565-2566-2567-2568-2569-2570-2571-2572-2573-2574-2575-2576-2577-2578-2579-2580-2581-2582-2583-2584-2585-2586-2587-2588-2589-2590-2591-2592-2593-2594-2595-2596-2597-2598-2599-2600-2601-2602-2603-2604-2605-2606-2607-2608-2609-2610-2611-2612-2613-2614-2615-2616-2617-2618-2619-2620-2621-2622-2623-2624-2625-2626-2627-2628-2629-2630-2631-2632-2633-2634-2635-2636-2637-2638-2639-2640-2641-2642-2643-2644-2645-2646-2647-2648-2649-2650-2651-2652-2653-2654-2655-2656-2657-2658-2659-2660-2661-2662-2663-2664-2665-26~~

प्राधान्यमाद्यतरेतरागारविमर्शः १७-२४ अक्षिपं वा

गणेशाय नमः ॥

विश्वनाथः श्रीगणेशाय नमः

मनकुतातायज्जप्यान्तिवाश्रीनतहातिकाय

ସମାଧାନ କରନ୍ତୁ ନିମ୍ନଲିଖିତ ପ୍ରଶ୍ନାବଳୀରୁ ଉପଯୋଗୀ ଉତ୍ତର ଲେଖନ୍ତୁ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

99

वयस्यैव प्रवृत्तमस्मात्तद्विषयं विचार्यते

गुणराधलक्ष्मणसहस्रनामस्तोत्रम्

[illegible]

नहाहाउयउमन्मस्लाम्मापुगज्यम, नज्यना।

गान्गासाधनामस्तु पञ्चमः

गङ्गाजानदीज्यामयस्यपुत्रममृतविराट्मप

नामनिर्दिष्टयाः पुत्रव्यापी संतुष्टिर्वाप्त

छोतलापुननिपातशास्त्रधर्मनिरुपणशास्त्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः पुत्रम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उज्ज्वलमन्त्रपातद्वाद्यनररूपतयाभुवः

उत्तरायणकालादित्युत्तरायणकाले

आगतिद्विजास्तुतनापुष्टिर्नितपावहाय

नमो नमः पञ्चम उद्योगीया उद्योगिनीया

स्तपावहानि च मेघ धन धनं गाढादीनां भयं

असा. ३५२ जगत्तज्जम् घटस्तु घटी च विवर्तते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

एक्यानाठराग ठरागामयतननमयता

रत्नाग्रामरायचरितस्य पविममपण्यपत्रात्

[illegible]

॥ १०९ ॥

पुनस्तत्पुनरप्युजानपद्यत्ततन्नापमनिरागगमना

नारायणपुरे देवदत्त उपाध्याय गंगाधर महिमा मुनि

[illegible]

रुग्णिभापमृगिभ्रापद्वयकारिचक्रदिवाज

मुळमये तामगाडिपरजानविजिंगायचे उत्तर

राजस्थान, जयपुर प्रांत, जयपुर जिल्ला

~~महाराजगणेशाय नमः~~

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਸਤਿਨਾਮੁ ਅੰਤਰਿ ਮਨਿ ਭਰਿ ਆਸਾਨੁ ॥

श्रीगणेशाय नमः विद्महे गुरुभ्यो नमः ।

(109) ...

A single line of handwritten musical notation on a five-line staff. The notation consists of a series of vertical stems of varying heights, some with small circles or dots at the top, suggesting a rhythmic or melodic sequence. The ink is dark and the paper is aged and slightly discolored.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महायजुर्गणपद्यमिह ननुमयसायत्त

महाराष्ट्र राज्य सरकार, मुंबई



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com